GRUHAM SUNYAM SUTAM BINA

SUBJECT : SANSKRIT

CHAPTER NO 6

CHAPTER NAME:GRUHAM SUNYAM SUTAM BINA

PPT 2

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

षष्ठः पाठः

गृहं शून्यं सुतां विना

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

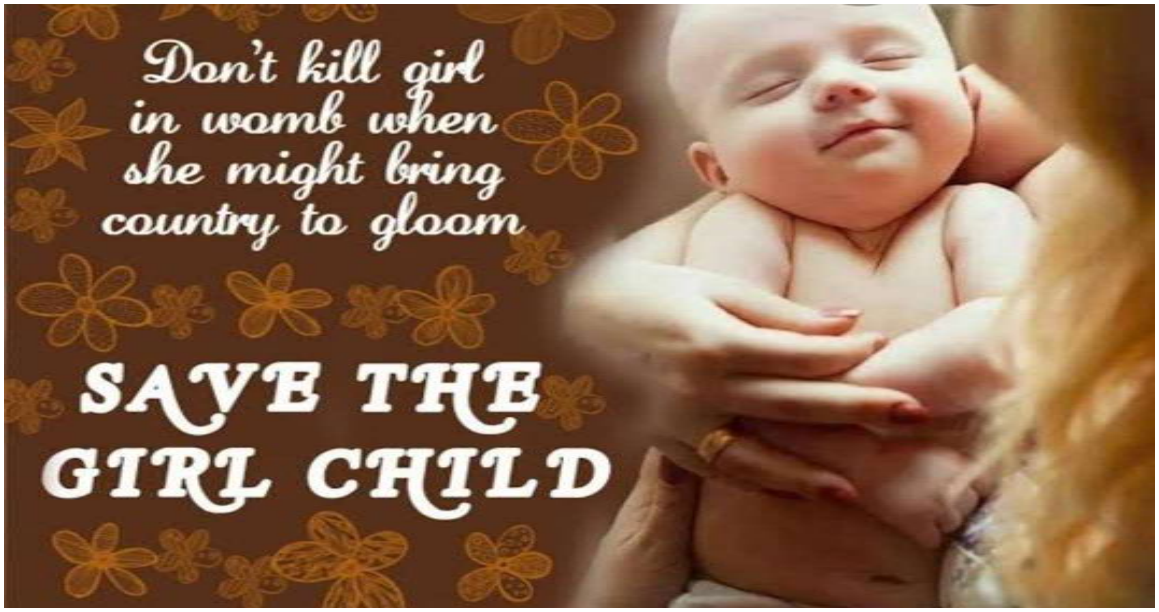

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

Expected Learning Outcome

सुता गृहस्य भुषणम्

पूर्वपाठस्य आलोचना –

१. शालीनि ग्रीष्मावकाशे कुत्र गन्तुम् इच्छति ?

२. शालीनि भातृजायाम् किम् वदति ?

३. भोजन काले कस्या मनोवस्था स्वस्था न आसीत् ?

४. शालीन्याः भ्रातुः नाम किम् ?

५. भातृजायाया शरीरम् किदृशम् अस्ति ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(माला शालिनी च चिकित्तसिकां प्रति गच्छन्त्यौ वार्ता कुरुत:)

अनुवाद-

(माला और शालिनी चिकित्सिका के पास जाती हुई बात करती है)

'शालिनी- किमभवत्? भ्रातृजाये! का समस्याउस्ति?

अनुवाद-

शालिनी: क्या हुआ भाभी क्या समस्या है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

माला-शालिनि! अहं मासत्रयस्य गर्भ स्वकुक्षौ धारयामि। तव भ्रातुः आग्रहः अस्ति यत् अहं लिङ्गपरीक्षणं कारयेयं कुक्षौ कन्याउस्ति चेत् गर्भ पातयेयम्। अहमू अतीव उद्विग्नाउस्मि परं तब भ्राता वार्तामेव न श्रृणोति।

अनुवाद-

माला: शालिनी मैं 3 महीने का गर्भ अपनी कोख में धारण कर रही रे व्द भाई की जिद है कि लिंग की जांच करवाओ में यदि कन्या है तो मैं गर्भपात करवा लूं मैं बहुत व्याकुल हूं परंतु तुम्हारे भाई बात ही नहीं सुनते

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शालिनी- भ्राता एवं चिन्तयितुमपि कं प्रभवति? शिशु: कन्याउस्ति चेत् वधाहा? जघन्यं कृत्यमिदम्। त्वम् विरोधं न कृतवती? स: तब शरीरे स्थितस्य शिशो: वधार्थ चिन्त्यति त्वम् तृष्णीम् तिष्ठसि? अधुनैव गृहं चल, नास्ति आवश्यकता लिङुपरीक्षणस्यथा भ्राता यदा गृहम् आगमिष्यति अहम् वार्ता करिष्ये।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शालिनी : भाई ऐसा सोच भी कैसे सकते हैं। शिशु यदि कन्या है तो वह वध के योग्य है यह तो घोर पाप कर्म है। तुम ने विरोध नहीं किया ?

क्या वह क शरीर में स्थित शिशु की हत्या के लिए सोच रहे न [मम चुप हो? अभी घर चलो लिंग जांच की आवश्यकता नहीं है। भाई जब घर आएंगे तब मैं बात करूंगी।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(माला मौनमेवाश्रयति। तदैव क्रौडन्ती त्रिवर्षीया पुत्री अम्बिका पितुः क्रोडे उपविशति तस्मात् चाकलेहं च याचते। राकेशः अम्बिकां लालयति, चाकलेहं प्रदाय तां क्रोडात् अवतारयति। पुनः मालां प्रति प्रश्नवाचिकां दृष्टिं क्षिपति। शालिनी एतत् सर्व दृष्ट्वा उत्तरं ददाति)

अनुवाद-

(माला मौन ही सुनती है) तभी खेलती हई 3 वर्ष की पुत्री अंबिका पिता की गोद में बैठ जाती है और उनसे चॉकलेट मांगती हू राकेश अंबिका को लाड-प्यार करता है उसे चॉकलेट देता है और गोद से उतार देता है फिर से माला के प्रति प्रश्नवाचक दृष्टि से देखता है शालिनी यह सब देख कर उत्तर देती है

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

'शालिनी- श्रात:! त्वं किं ज्ञातुमिच्छसि? तस्या: कुक्षि पुत्र: अस्ति पुत्री वा? किमर्थम्? षण्मासानन्तरं सर्व स्पष्टं भविष्यति, समयात् पूर्व किमर्थम् अयम् आयास:?

अनुवाद-

शालिनी: भाई! तुम क्या जानना चाहते हो? उसकी कोख में पुत्र है या पुत्री किसलिए 6 महीने के बाद सब स्पष्ट हो जाएगा, यह प्रयास समय से पहले क्यों ?

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024